>

Title: Need to set up a Central University in Gadchiroli district, Maharashtra.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर) : महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र अनेक वर्षों से अविकसित रहा है, विकास के मुख्य धारा से दूर लोगों को विकास का लाभ दिलाने में राज्य सरकार की उपेक्षा और कोताही को देखते हुए यहां की स्थिति भाषण बन गई है। भौगोलिक क्षेत्र में वनों की अधिकता और विभिन्न खनन सामग्रियों की बहुतायत होते हुए भी यहां पर रोजगार का अभाव बना हुआ है। राज्य के कुल साक्षरता प्रतिशत से यहां प्रतिशत बहुत कम है, पूर्वी विदर्भ में आदिवासियों की बहुसंख्या होने के कारण साक्षरता दर की कमी के कारण यह क्षेत्र लगातार पिछड़ रहा है ।

राज्य सरकार द्वारा इस क्षेत्र में शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने हेतु कोई सार्थक प्रयास नहीं हो रहे है। इसलिए इस क्षेत्र में जनजातीय लोगों की भारी संख्या को देखते मध्य प्रदेश राज्य के अमरकंटक जैसे जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित करने की आवश्यकता है। जनजातीय सभ्यता और इसके संवर्धन, अध्यापन एवं विकास हेतु पूर्वी विदर्भ के अंतिम छोर के गडचिरोली जनजातीय जिले में केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किया जाना चाहिए।

ज्ञात हुआ है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 11 वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत 16 केन्द्रीय विश्वविद्यालय देश के विभिन्न क्षेत्रों में खोलने जा रहा है। इसका ध्यान रखते हुए गडचिरोली जिले का केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने हेतु चयन किया जाना चाहिए। आपसे अनुरोध है कि यहां के आदिवासी और जनजातीय लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाने हेतु शिक्षा का बल आवश्यक है। इस दृष्टिकोण के अनुसार प्राथमिकता से विश्वविद्यालय स्थापित करने हेतु सरकार द्वारा इसी सत्रावधी के दरम्यान घोषणा करने की पुरजोर मांग करता हूं।